

B. A. 6th Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-IV

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेहस्मिन् 'Group-A' and 'Group-B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्यः, ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधेयाः।
এই প্রশ্নপত্রে Group-A এবং Group-B এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দাও।

Group-A

(Vedic Literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नपङ्क्तस्य उत्तरं लेख्यम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्।
2×5=10

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখ।)

- a) স্বপাঠ্যান্তর্গতস্য অগ্নিসূক্তস্য দেবতা কঃ? তস্য ঋষিঃ কঃ?
নিজের পাঠ্যান্তর্গত অগ্নিসূক্তের দেবতা ও ঋষি কে?
- b) स बोधि सुरिर्मघवा वसुपते वसुदावन् इत्यत्र मघवा वसुदावन् चेति पदयोः अर्थः कः?
'स बोधि सुरिर्मघवा वसुपते वसुदावन्'—এখানে উল্লিখিত 'মঘবা' ও 'বসুদাবন্' পদের অর্থ কি?
- c) सजनीयसूक्तं किम्?
সজনীয়সূক্ত কি?
- d) 'अपां नेता' कः?
'অপাং নেতা' কে?
- e) धमनिरपेक्षसूक्तं किम्?
'ধমনিরপেক্ষ সূক্ত' বলতে কি বোঝ?
- f) देवीसूक्तस्य विनियोगः कः?
দেবীসূক্তের বিনিয়োগ কি?

g) ঈশোপনিষদ্ কথং মন্ত্রোপনিষদ্ ইত্যুচ্যতে?

ঈশোপনিষদকে কেন মন্ত্রোপনিষদ বলা হয়?

h) ঈশোপনিষদি আন্নাতা অবিদ্যা কা?

ঈশোপনিষদ—এ আন্নাত অবিদ্যা কি?

2.

অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু কয়োশ্চিদ্ দ্বয়োঃ প্রশ্নয়োঃ উত্তরং সংস্কৃতভাষয়া লেখ্যম্।

2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

a) নিম্নোক্তঃ মন্ত্রোহয়ং সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যাতাম্—

নিম্নোক্ত মন্ত্রটি সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো—

ইমাং মে অগ্নে স^১মিধ^১মি^১মামু^১প^১সদং বনেঃ।

ইমা উ^১ যু^১ ঋ^১ধী^১ গিরিঃ।।

b) নিম্নোক্তঃ মন্ত্রোহয়ং সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যাতাম্—

নিম্নোক্ত মন্ত্রটি সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো—

দ্যা^১বা^১ চিদস্মৈ পৃথি^১বী^১ নমেতে শু^১আ^১চ্চিদস্য^১ পর্বতা^১ ভয়ন্তে।

য সো^১ম^১পা^১ নিচি^১তো বজ্র^১বাহুর্যো^১ বজ্র^১হস্তঃ^১ স^১ জনা^১স^১ ইন্দ্রঃ^১।

c) তেন ত্যক্তেন ভুঞ্জীথাঃ মা গৃধঃ কস্যস্বিদ্ ধনম্ ইত্যস্য তাত্পর্যং কিম্?

‘তেন ত্যক্তেন ভুঞ্জীথাঃ মা গৃধঃ কস্যস্বিদ্ ধনম্’—মন্ত্রাংশটির তাত্পর্য কি?

d) অক্ষৈর্মা দীব্যঃ কৃষিমিত্ কৃষস্ব রিতে রমস্ব বহু মন্যমানঃ ইত্যস্য তাত্পর্যং কিম্?

অক্ষৈর্মা দীব্যঃ কৃষিমিত্ কৃষস্ব রিতে রমস্ব বহু মন্যমানঃ’—মন্ত্রাংশটির তাত্পর্য কি?

3.

অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু কয়োশ্চিদ্ দ্বয়োঃ প্রশ্নয়োঃ উত্তরং সংস্কৃত ভাষয়া লেখ্যম্।

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

a) দেবীসূক্তং কথং দার্শনিকসূক্তরূপেণ উচ্যতে?

দেবীসূক্তকে দার্শনিকসূক্ত বলা হয় কেন?

b) অক্ষসূক্তানুসারং কিতবস্য দুর্দশা বর্ণনীয়।

অক্ষসূক্ত অনুসারে কিতবের দুর্দশা বর্ণনা করো।

c) স্বপাঠ্যাস্তগর্তে ইন্দ্রসূক্তে আন্নাতম্ ইন্দ্রমাহাত্ম্যম্ আলোচ্যতাম্।

নিজের পাঠ্যাস্তগর্তে অগ্নিসূক্তে আন্নাত ইন্দ্রমাহাত্ম্য আলোচনা করো।

- b) ईशोपनिषदि आम्नातम् आम्नः स्वरूपम् आलोच्यताम्।
ईशोपनिषदे वर्णित आम्नार स्वरूप आलोचना करो।

Group-B

(Moral Values in Sanskrit Literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कसाचित् प्रश्नपङ्क्तस्य उत्तरं लेखाम्। तेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरम् अवश्यमेव
संस्कृतभाषया लेखाम्। 2×5=10
- (निम्नलिखित प्रश्नगुणिर मध्ये येकोन पाँचटि प्रश्नेर उत्तर लिखते हवे।। तार मध्ये येकोन दुटि प्रश्नेर उत्तर
अवश्याइ संस्कृत भाषाय लिखते हवे।।)
- a) 'दानवीर कर्णः' इति रूपकांशस्य उत्सः कः?
'दानवीरः कर्णः'—एइ रूपकांशेर उत्स कि?
- b) महत्तरां भिक्षां याचे इति कः कदा उक्तवान्?
'महत्तरां भिक्षां याचे'—कथाटि के कखन बलेछिलो?
- c) शल्य कः?
शल्य के?
- d) धिग्! दन्तस्य न प्रतिगृहामि इति कः कस्मै उक्तवान्?
'धिग्! दन्तस्य न प्रतिगृहामि'—कथाटि के काके बलेछिलो?
- e) शशकसिंहकथायां वर्णितः भासुरकः कः?
शशकसिंहकथाय वर्णित भासुरक के?
- f) तत् क्रियताम् अस्माभिः सह समयधर्मः इत्यस्य वक्ता कः?
'तत् क्रियताम् अस्माभिः सह समयधर्मः'—उक्तिटिर वक्ता के?
- g) प्रजानां पालनं शस्यं स्वर्गकोषस्य वर्धनम् इत्यस्य अर्थः कः?
'प्रजानां पालनं शस्यं स्वर्गकोषस्य वर्धनम्' उक्तिटिर अर्थ कि?
- h) शशकसिंहकथायाः उत्सः कः? कीदृशः ग्रहोहसौ?
शशकसिंहकथार उत्स कि? सेटि कीदृश ग्रह?
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं संस्कृतभाषया लेखाम्। 5×2=10
निम्नलिखित प्रश्नगुणिर मध्ये येकोन दुटि प्रश्नेर उत्तर संस्कृत भाषाय लिखते हवे।
- a) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्—'हतेषु देहेषु गुणा धरन्ते।'
प्रसङ्ग उल्लेख करे व्याख्या करो—'हतेषु देहेषु गुणा धरन्ते'।

b) सप्रसङ्गं व्याख्यानताम्—इतच्छब्दं दत्तं तथैव तिष्ठति।

प्रसङ्ग उल्लेख करे व्याख्या करो—‘इतच्छब्दं दत्तं तथैव तिष्ठति’।

c) सप्रसङ्गं व्याख्यानताम्

प्रसङ्ग उल्लेख करे व्याख्या करो—

यथा गौर्दुहते काले पालाते च तथा प्रजाः।

सिष्णाते चीयते चैव लता पुष्पफलप्रदाः॥

d) सप्रसङ्गं व्याख्यानताम्—

प्रसङ्ग उल्लेख करे व्याख्या करो—

न गजानां सहस्रेण न च लक्षेण वाजिनाम्।

यत् कृत्यं साध्यते राज्ञां दुर्गेणैकेन सिध्यति॥

3.

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं लेख्यम्।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন দুটি প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে।

a) ‘दानवीरः कर्णः’ इति रूपकांशस्य विषयम् उल्लिख्य तस्य नामकरणस्य तात्पर्यम् आलोच्यताम्।

‘दानवीरः कर्णः’ रूपकांशस्य विषयवस्तु उल्लेख करे उक्त नामकरणस्य तात्पर्यम् आलोचना करो।

b) ‘दानवीरः कर्णः’ इति रूपकांशे स्थितस्य इन्द्रस्य चरित्रम् आलोच्यताम्।

‘दानवीरः कर्णः’ रूपकांशे वर्तमान इन्द्रस्य चरित्रम् आलोचना करो।

c) शशकसिंहकथायाः अस्माभिः कीदृशी शिक्षा लभ्यते कथाविषयवर्णनापूर्वकम् आलोच्यताम्।

शशकसिंहकथा থেকে আমরা কি শিক্ষা লাভ করি কথাবিষয় বর্ণনা পূর্বক আलोচনা करो।

d) शशकसिंहकथायाः वर्णितं शशकचरित्रम् आलोच्यताम्।

শশকসিंहকথায় বর্ণিত শশকের চরিত্র আलोচনা करो।